सराइकी: लोकगीत से भाषा की पहचान तक

समाचार-संदर्भ: 18 नवंबर 2026 | प्रकाशन: 19 नवंबर 2026
प्रिलिम्स: कला-संस्कृति, भारतीय उपमहाद्वीप की भाषाएँ



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

▼ इस लेख में

- खबरों में क्यों
- सराइकी कहाँ बोली जाती है
- भाषा और लिपि में अंतर
- जनगणना क्या बताती है
- साहित्य और अध्ययन
- परीक्षा के लिए पहचान
- प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न
- अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)
- स्रोत

खबरों में क्यों

‘Chhalrey Chhalrey Waal’ लोकगीत की नई प्रस्तुति ने सराइकी भाषा की ओर ध्यान खींचा है। किसी गीत का सीमाओं के पार लोकप्रिय होना भाषा, लिपि और सांस्कृतिक पहचान के संबंध समझने का अवसर देता है। [4]

सराइकी कहाँ बोली जाती है

सराइकी एक **इंडो-आर्य भाषा** है। बहाउद्दीन ज़करिया विश्वविद्यालय इसे लहंदा समूह में रखता है और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से को इसका प्रमुख क्षेत्र बताता है। मुल्तान इस भाषा के अध्ययन और सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण केंद्र है। सराइकी को पहले इसकी प्रमुख बोली के आधार पर मुल्तानी भी कहा जाता था। [1] [2]

विश्वविद्यालय इसके पंजाबी, सिंधी, डोगरी और धटकी से निकट संबंध का उल्लेख करता है। भाषाओं में निकटता और किसी समुदाय की अलग भाषाई पहचान अलग बातें हैं। मिलती-जुलती शब्दावली होने से दो भाषाओं को हर संदर्भ में एक नहीं मान लेना चाहिए। [1]

यह भी पढ़ें: कुरुम्बा भाषा: जो बोली जनगणना की किताब में नहीं मिलती

भाषा और लिपि में अंतर

भाषा अभिव्यक्ति की ध्वनि, शब्द और व्याकरण की व्यवस्था है। **लिपि** उसे लिखने के चिह्नों की व्यवस्था है। इसलिए एक भाषा एक से अधिक लिपियों में लिखी जा सकती है।

विश्वविद्यालय के विवरण के अनुसार पाकिस्तान में सराइकी के लिए फ़ारसी-अरबी वर्णमाला का रूप इस्तेमाल होता है, जबकि भारत में गुरमुखी और देवनागरी का भी उपयोग होता है। उसी विवरण में पुरानी मुल्तानी लिपि का ऐतिहासिक उल्लेख है। इससे याद रखने योग्य बात यह है कि भाषा का नाम और लिपि का नाम हमेशा एक नहीं होते। [1]

जनगणना क्या बताती है

पाकिस्तान की 2023 जनगणना की राष्ट्रीय **तालिका 11** में मातृभाषा के रूप में सराइकी बोलने वालों की संख्या **2,88,49,579** दर्ज है। उसी तालिका में कुल जनसंख्या 24,04,58,089 है। ये पाकिस्तान के राष्ट्रीय आंकड़े हैं, विश्व के सभी सराइकी भाषियों की गिनती नहीं। [3]

मातृभाषा की संख्या और **कुल भाषा-ज्ञान** में फर्क है। कोई व्यक्ति एक मातृभाषा बताने के साथ दूसरी भाषाएँ भी समझ या बोल सकता है। इसलिए मातृभाषा के आंकड़े को उस भाषा को जानने वाले सभी लोगों की संख्या मानना सही नहीं।

साहित्य और अध्ययन

कविता और संगीत सराइकी सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के प्रमुख माध्यम हैं। विश्वविद्यालय की सामग्री में ख्वाजा गुलाम फ़रीद सहित कई कवियों का उल्लेख है। बहाउद्दीन ज़करिया विश्वविद्यालय में Saraiki Research Centre 2001 में स्थापित हुआ और मई 2006 में सराइकी विभाग के रूप में बदला गया, जहाँ एमए की नियमित कक्षाएँ शुरू हुईं। आज वहाँ Saraiki Area Study Centre है। [1] [2]

लोकगीत का नया डिजिटल रूप दूर रहने वाले श्रोताओं को किसी भाषा से परिचित करा सकता है। लेकिन ऑनलाइन लोकप्रियता को भाषा के शिक्षा, प्रकाशन या पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरण की स्थिति का पूरा प्रमाण नहीं मानना चाहिए।

परीक्षा के लिए पहचान

सराइकी को **भाषा**, लहंदा को उसके भाषाई वर्गीकरण से जुड़ा समूह और गुरमुखी या देवनागरी को **लिपि** के रूप में अलग रखें। भाषा का प्रमुख भौगोलिक क्षेत्र, जनगणना में मातृभाषा की श्रेणी और उसके साहित्यिक अध्ययन को जोड़कर पढ़ें। किसी लोकगीत के वायरल होने के आधार पर किसी भाषा के आधिकारिक दर्जे या संकटग्रस्त होने का दावा न करें।

PCSMANTRA.COM

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1

सराइकी भाषा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: यह इंडो-आर्य भाषाओं में गिनी जाती है।

कथन 2: पाकिस्तान के पंजाब का दक्षिण-पश्चिमी भाग इसका प्रमुख क्षेत्र है।

कथन 3: इसे केवल देवनागरी में ही लिखा जा सकता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (a)

कथन 1 सही है: विश्वविद्यालय इसे इंडो-आर्य भाषा बताता है।

कथन 2 सही है: उसका प्रमुख क्षेत्र दक्षिण-पश्चिमी पंजाब बताया गया है।

कथन 3 गलत है: फ़ारसी-अरबी वर्णमाला, गुरमुखी और देवनागरी के उपयोग का उल्लेख मिलता है।

PCSMANTRA.COM

प्रश्न 2

भाषा और लिपि के बीच अंतर को कौन-सा कथन सबसे ठीक बताता है?

(a) एक भाषा को एक से अधिक लिपियों में लिखना संभव नहीं है

(b) लिपि लेखन-चिह्नों की व्यवस्था है; एक भाषा के लिए अलग लिपियाँ प्रयुक्त हो सकती हैं

(c) समान लिपि का अर्थ हमेशा समान भाषा है

(d) मातृभाषा और लिपि एक ही सांख्यिकीय श्रेणी हैं

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (b)

लिपि लिखने के चिह्नों की व्यवस्था है। भाषा ध्वनियों, शब्दों और व्याकरण की व्यवस्था है। दोनों का एक-से-एक संबंध आवश्यक नहीं है।

प्रश्न 3

जनगणना में किसी भाषा के मातृभाषियों की संख्या से क्या निष्कर्ष निकाला जा सकता है?

(a) यही उस भाषा को समझने वाले विश्व के सभी लोगों की संख्या है

(b) इससे सभी द्विभाषी व्यक्तियों की संख्या स्वतः मिल जाती है

(c) यह संबंधित जनगणना-क्षेत्र में उसे मातृभाषा बताने वालों की संख्या दर्शाती है

(d) इससे भाषा का संवैधानिक दर्जा स्वतः तय होता है

▼ उत्तर और व्याख्या

सही उत्तर: (c)

मातृभाषा की गिनती संबंधित क्षेत्र और जनगणना की परिभाषा में पढ़ी जाती है। वह न तो विश्व-स्तरीय कुल भाषा-ज्ञान है और न कानूनी दर्जे का प्रमाण।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQ)

क्या मुल्तानी और मुल्तान में अंतर है?

मुल्तान एक स्थान है। मुल्तानी सराइकी की प्रमुख बोली से जुड़ा नाम है; विश्वविद्यालय के अनुसार पहले भाषा को इस नाम से भी जाना जाता था।

क्या पाकिस्तान की मातृभाषा-तालिका भारत के सराइकी भाषियों को भी गिनती है?

नहीं। राष्ट्रीय तालिका पाकिस्तान की जनगणना के क्षेत्र की है। उसे विश्व-स्तरीय कुल संख्या नहीं माना जा सकता।

PCSMANTRA.COM

क्या डिजिटल लोकप्रियता भाषा-संरक्षण की पूरी तस्वीर बताती है?

नहीं। शिक्षा, साहित्य, रोजमर्रा के उपयोग और अगली पीढ़ी तक पहुँच जैसे पहलुओं को अलग से देखना पड़ता है।

स्रोत

1. https://bzu.edu.pk/about-saraiki.php
2. https://bzu.edu.pk/view_department.php?deptID=33
3. https://www.pbs.gov.pk/wp-content/uploads/census_tables/tables/table_11_national.pdf
4. https://indianexpress.com/article/explained/explained-culture/saraiki-language-viral-folk-song-chhalrey-chhalrey-waal-10968182/

PCSMANTRA.COM